केन्द्रीय जांच ब्यूरो द्वारा कोल इंडिया लि. के अधिकारियों से आपत्तिजनक सामग्री की बरामदगी

2007. **श्री शंकर दयाल सिंह** : क्या कोयला मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या केन्द्रीय जांच ब्यूरो ने पिछले कुछ दिनों के दौरान कोल इंडिया लि. के विभिन्न क्षेत्रों में अधिकारियों के घरों से आपत्तिजनक सामग्री बरामद की है और कोयले के स्टाक में कमी पाई है; और

(ख) यदि हां, तो इस संबंध में ब्यौरा क्या है ?

कोयला मंत्रालय में उप मंत्री (श्री एस. बी. न्यमगौड़ा) : (क) और (ख) केन्द्रीय जांच ब्यूरो द्वारा 8-9-92 से 10-9-92 तक की अवधि में भारत कोकिंग कोल लि. की कसुन्दा ओपनकास्ट परियोजना में कोयला के स्टाक की आकस्मिक जांच से प्राथमिक रूप से स्टाक में 6 लाख मी.टन कोयले की कमी पाई । महाप्रबंधक कासुन्दा क्षेत्र के और डिप्टी सी.एम.ई. के आवासों की केन्द्रीय जांच ब्यूरो द्वारा दिनांक 28-9-92 को तलाशी ली गई थी और कुछ आपत्तिजनक दस्तावेज जिसमें इन अधिकारियों की पास बुक, स्वधिक जमा रसीदें, आदि को पकड़ा गया था ।

पूर्ववर्ती सोवियत संघ के सहयोग से शुरू की गई कोयला परियोजनाओं को पूरा किया जाना

2008. **डा. किनेन्द्र कुमार जैन** :
श्री वीरेन्द्र वे. शाह :

क्या कोयला मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि देश में कई कोयला परियोजनाओं का निर्माण पूर्ववर्ती सोवियत संघ के सहयोग से करने का निश्चय किया गया था और ये परियोजनाएं आज भी निर्माणाधीन हैं;

(ख) यदि हां, तो इन परियोजनाओं के नाम क्या-क्या हैं, और पूर्ववर्ती सोवियत संघ ने इनके निर्माण किस प्रकार का सहयोग देने का प्रस्ताव किया था;

(ग) क्या यह भी सच है कि सोवियत संघ के विघटन के बाद इन परियोजनाओं का निर्माण कार्य अधूरा ही रह गया है;

(घ) क्या सरकार ने इन परियोजनाओं को पूरा करने के लिए किसी वैकल्पिक स्रोत का पता लगाने के लिए प्रयास किए गए हैं;

(ङ) यदि हां, तो उनका ब्यौरा क्या है और इन परियोजनाओं पर अक्तूबर, 1992 तक कुल कितनी धनराशि व्यय की गई थी; और

(च) इन परियोजनाओं को पूरा करने के लिए अनुमानत: और कितनी धनराशि की जरूरत है ?

कोयला मंत्रालय में उप मंत्री (श्री एस. बी. न्यमगौड़ा) : (क) और (ख) निम्नलिखित चार मुख्य कोयला परियोजनाओं को भूतपूर्व सोवियत संघ की सहायता से कार्यान्वयन हेतु शुरू किया गया था :—

(1) सादिया ओ.का. (नार्दर्न कोल-फील्ड्स लि.)

(2) निगाही ओ.का. (नार्दर्न कोल-फील्ड्स लि.)

(3) झाजरा भूमिगत (ईस्टर्न कोल-फील्ड्स लि.)

(4) पाथरडीह वाशरी का आधुनिकीकरण (भारत कोकिंग कोल लि.)

उपर्युक्त परियोजनाएं, वर्तमान में, कार्यान्वयनाधीन हैं । भूतपूर्व सोवियत संघ द्वारा प्रस्तावित सहायता की प्रकृति मुख्यत: उपकरणों की आपूर्ति और स्थापना के दौरान तकनीकी सहायता तथा उपकरण के कार्यचालन में सहायता प्रदान करने के रूप में थी ।

(ग) सोवियत संघ के विघटन से उपकरणों तथा अतिरिक्त कल-पुर्जों, जो कि सोवियत संघ द्वारा निर्मित किए गए थे, के बारे में कुछ अनिश्चितता की स्थिति पैदा हो गई थी । हालांकि यह चालू परियोजनाओं के कार्यान्वयन पर कोई विपरीत असर नहीं पड़ेगा, चूंकि सम्बद्ध रूसी संगठनों के साथ बातचीत की गई है/चल रही है ।